

Date - 31.7.21
(Saturday)

Page No - 44

प्रश्न मिलान करके वाक्य बनाओ :-

कड़क हवा (5)

रंग-बिरंगी बच्चे (3)

उत्साहित समय (4)

अच्छा फूल (2)

शीतल चाय (1)

(क) कड़क चाय — ठंडे के मौसम में कड़क चाय पिया
जब्तरी है ।(ख) रंग-बिरंगी फूल — रंग-बिरंगे फूलों का
मैला लगा हुआ है ।(ग) उत्साहित बच्चे — उस उत्साहित बच्चे को
देखकर मेरा मन प्रफुल्लित हो
गया ।(घ) अच्छा समय — कल मैनें दादी के साथ
अच्छा समय बिताया ।(ङ) शीतल हवा — सुबह का शीतल हवा स्वास्थ्य
के लिए अच्छा होता है ।

शब्द और व्याकरण

1. तुमने इंद को सेवई तो खाई होगी। नीचे इसे बनाने की विधि दी गई है। पर इसमें कुछ क्रिया शब्द छूट गए हैं। बॉक्स में से क्रिया शब्द चुनकर उनके उचित रूप से रिक्त स्थान भरो और एक-विधि को पूरा करो।

सजाना	सोखना	रख देना
डालना	मिलाना	ठंडा होना
छिड़कना	उतारना	भूनना
लगाना	मसलना	बनाना

सामग्री :	बारीक सेवई	250 ग्राम	लौंग-इलायची	3-3
	घी	125 ग्राम	चाँदी के बर्क	2
	चीनी	750 ग्राम	केवड़ा	1 बड़ा चम्मच
	खोआ (मावा)	200 ग्राम	लड्डू का रंग	2 चुटकी
	बादाम और पिस्ते	बारीक कतरे हुए	दूध	आधा कप

विधि :

चार प्याले पानी में चीनी डालो और एक तार की चाशनी बनाओ । इस चाशनी में लड्डू का रंग डालो । अब एक खुले बर्तन में घी गरम करो और इसमें लौंग-इलायची भूनो । जब इलायची लाल हो जाए तब आँच धीमी कर दो । धीरे-धीरे घी में सेवई डालो और भूनी । जब सेवई गुलाबी हो जाए तब इसे आँच पर से उतारो । अब दूध उबालो और इस थोड़ा-थोड़ा करके सेवई में मिला दो । फिर सेवई में गरम चाशनी धीरे-धीरे

मिलाकर इसे धीमी आँच पर रखवेना । अब छोआ हाथ से मसलकर सेवई में मिला दो। जब सेवई पानी सोस जाए तब इसमें केवड़ा चिडका और इसे आँच पर से उतार लो और हँक दो। सेवई ठंडा हो जाने पर इसे खुले बर्तन में निकालो और इस पर चाँदी का बक सजाओ । अब कतरे मेवे से सेवई को लगाओ ।
इद मुबारक!

2. कितना सुहाना प्रभात है!

इस वाक्य में सुहाना विशेषण है जो प्रभात यानी सुबह की विशेषता बता रहा है अतः मौसम विशेष्य हुआ। विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताए उसे विशेष्य कहते हैं। नीचे दिए शब्दों में विशेष्यों को उपयुक्त विशेषण के साथ जोड़ो और उनसे वाक्य बनाओ।

कड़क	हवा	5
रंग-बिरंगे	बच्चे	3
उत्साहित	समय	4
अच्छा	फूल	2
शीतल	चाय	1

3. नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। इन वाक्यों में कुछ अशुद्धियाँ रह गई हैं। इन अशुद्धियों को शुद्ध करके वाक्य लिखो।

- (क) ईदगाह से लौटते-लौटते दोपहर हो जाएगा। गी
- (ख) गर्मियों में मैं छत में सोती हूँ। मेरा
- (ग) मेरी भिखती सबको पानी दिया करेगा। अपने
- (घ) क्या तुम तुम्हारी माँ से मिले? करते
- (ङ) ईद के दिन भी क्या इस तरह झगड़ा लड़ते हैं। शोक
- (च) मुझे तेरी तरह नकल करने का शोक नहीं है!
- (छ) वह बिजली का बिल जमा नहीं किया।